आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :514 पृष्ठ –4 दिनांक 25 जून 2025 दिन बुधवार

भदोही में सीएम योगी ने की विकास कार्यों की समीक्षा, कई अहम प्रस्तावों को दी मंजूरी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कालीन की नगरी भदोही पहुंचे, जहां उन्हा.ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रदेशव्यापी वृहद पौधरोपण श्एक पेड़ मां के नामश कार्यक्रम में जिला मुख्यालय पर रुद्राक्ष का एक पौधा लगाया और जिले के विकास रूपी 13 सूत्री मांगों को पूरा कर बड़ी सौगात दी. सीएम योगी ने इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने सपा–बसपा की सरकार को बे. इमानी और भ्रष्टाचार का जीवंत स्मारक बताया. भदोही के ज्ञानपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों और पार्टी नेताओं संग पुलिस लाइन सभागार में एक बैठक की. इस दौरान उन्होंने जनपद की स्थिति की समस्याओं से रूबरू होते हुए विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की. इसके बाद मुख्यमंत्री ने सीएम योगी के आह्वान पर श्एक पेड़ मां के नामश पर रुद्राक्ष के पौधे का रोपण किया. मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हमने 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय परिसर को देखा जो वर्षों से निर्माणाधीन है. यह पिछली सरकारों के बेइमानी और

भ्रष्टाचार का एक जीवंत स्मारक बन चुका था. हम लोगों ने उस कार्य को फिर से प्रारंभ किया है. जिला अस्पताल के पुराने भवन सहित 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक निर्माण के लिये हमने धनराशि उपलब्ध करा दी है. यह दिसंबर 2025 तक पूरा बनकर तैयार हो जायेगा ताकि भविष्य में यहां पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज स्थापित कर सकें. भदोही भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद और विधायक और मण्डल व् जनपद के अधिकारियों के साथ विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की है. सीएम ने कहा कि काशी नरेश राजकीय पीजी कॉलेज को स्टेट यूनिवर्सिटी के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा और सीतामढ़ी के पास डेंगूरपुर में गंगा नदी पर पक्के पुल के निर्माण की स्वीकृति भी दे दी है. इसके साथ ही ककराही रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी के निर्माण की भी स्वीकृति दी गई है. जिला मुख्यालय पर बड़े मल्टीपरपज हाल के प्रस्ताव को भी मंजूर कर लिया गया है.

यूपी में जमकर बरसेंगे बादल, मौसम विभाग ने जारी किया बारिश का अलर्ट, बिजली गिरने की भी चेतावनी

उत्तर प्रदेश में बारिश का सिलसिला जारी है. सोमवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की बौछारें देखने को मिलीं तो कहीं–कहीं भारी बारिश हुई. बारिश की वजह से तापमान में कमी आई है. हालांकि, पश्चिमी यूपी के नोएडा–गाजियाबाद समेत कई जिलों में उमस भरी गर्मी पड़ रही है. मौसम विभाग के मुताबिक आज (24 जून) से बारिश का सिलसिला और तेज होगा. ऐसे में प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में झमाझम बारिश का अनुमान है.29 जून तक बरसात होने की संभावना जताई गई है. हालांकिस इससे तापमान में कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला है. मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वी और पश्चिमी यूपी दोनों संभागों में मंगलवार को अनेक स्थानों पर गरज–चमक के साथ बारिश की बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई हैं. इस दौरान कहीं–कहीं मेघ गर्जन के साथ बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है. आगरा, लखीमपुर खीरी और कुशीनगर समेत 16 जिलों में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है. 26 जून से पश्चिमी यूपी में बारिश का दौर और तेज होने लगेगा. ऐसे में अनेक स्थानों पर भारी बारिश होगी. अगले छह दिनों तक प्रदेश में रह–रहकर बारिश होती रहेगी. बारिश की वजह से कई जगहों पर बिजली गिरने का भी अलर्ट है. ऐसे में लोगों को सावधान रहने की जरूरत है. यूपी में आज आगरा, फिरोजाबाद, जालौन, झांसी, ललितपुर, बांदा, महोबा, हमीरपुर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज और कुशीनगर में मेघगर्जन के साथ भारी बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है. सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बागपत, बिजनौर, मेरठ और गाजियाबाद में आज एक या दो जगहों पर बारिश का अनुमान है.नोएडा, हापुड़, अम. रोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, संत रविदास नगर, मिर्जापुर, सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, गा. जीपुर, बलिया, मऊ, आजमगढ़, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, अंबेडकर नगर, बस्ती और गोंडा में आज कई जगहों पर बारिश होने की संभावना जताई गई है. बा. रिश की वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिली है. हालांकि, आने वाले दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा.

बदायूं चंडीगढ़ अपने मायके रह रही पत्नी को किया फोन...फिर फांसी लगाकर दी जान

कुंवरगांव मायके वालों के साथ चंडीगढ़ में रही पत्नी से फोन पर बात करने के बाद युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। यह देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंच पुलिस ने शव को पा.`स्टमार्टम के लिए भेजा।मामला कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव बनेई का है। गांव निवासी चंद्रकेश (35) पुत्र करन सिंह दिल्ली में रहकर सिलाई का कार्य करते थे। पत्नी बच्चों के साथ गांव में रहती थी। कुछ समय से चंद्रकेश का उनकी पत्नी से विवाद चल रहा था। इसके चलते पत्नी तकरीबन एक महीने पहले अपने माता–पिता के पास चंडीगढ़ चली गई थी। चंद्रकेश चार दिन पहले दिल्ली से गांव आए थे। सोमवार सुबह लगभग साढ़े आठ बजे उन्होंने फोन करके पत्नी से बात की। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच फोन पर भी कहासुनी हुई थी। इस दौरान युवक के पिता बाहर गए थे और माता पशुओं के लिए चारा लेने गई थीं। युवक ने अपने घर में कुंडे पर फंदे पर लटककर जान दे दी। युवक की मां घर पर पहुंची तो को. हराम मच गया। परिजनों ने पुलिस को बिना सूचना दिए शव को फंदे से उतार लिया। परिजनों ने युवक की पत्नी को फोन करके जानकारी दी। परिजनों के अनुसार युवक की पत्नी देर रात पहुंचेगी। इंस्पेक्टर वीपी सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में एमिटी की छात्रा की हत्या! सौतेले पिता ने चाकुओं से गोदकर मार डाला

लखनऊ,रू राजधानी लखनऊ की विज्ञानपुरी कॉलोनी एक सौतेले पिता की करतूत से थर्रा गई। विकास चंद्र पांडेय ने अपनी सौतेली बेटी सिमरन पर ताबड़तोड़ चाकुओं से प्रहार करके, उसे मौत के घाट उतार दिया। बेटी को बचाने आई मां भी घायल हो गईं। खून से लथपथ सिमरन को देखकर बिलखती रही। पुलिस ने आरा.`पी सौतेले पिता को गिरफ्तार कर लिया है।महानगर की विज्ञानपुरी कॉलोनी में रेखा राजपूत अपनी 19 वर्षीय बेटी सिमरन के साथ रहती थीं। रेखा के पति जागेश सिंह राजपूत का निधन हो चुका है। करीब एक साल पहले रेखा ने विकास चंद्र पांडेय के साथ दूसरी शादी की थी। तब सब वह विकास के साथ घर में रह रही हैं।डीसीपी मध्य आशीष कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक, घटना सोमवार रात की है। रेखा ने पूछ. ताछ में बताया कि रात को सिमरन मोबाइल चला रही थी। विकास समझा कि वो किसी से बात कर रही है। सिमरन को टोकने पर दोनों के बीच बहस हो गई। विवाद काफी बढ़ गया। विकास ने सिमरन को घर से निकालने की कोशिश की। आवेष में आकर वो किचर में गया और वहां से चाकू निकालकर सिमरन पर ताबड़तोड़ हमला करने लगा। बेटी की चीख–पुकार सुनकर रेखा उसे बचाने गईं। तो वह खून से लथपथ जमीन पर पड़ी तड़प रही थी और विकास सिमरन पर चाकू से हमले कर रहा था। बेटी की बचाने के दौरान विकास रेखा पर भी हमलावर हो गया। इसमें रेखा भी घायल हो गईं। सिमरन एमिटी यूनिवर्सिटी में बैचलर ऑफ कंप्यूटर साइंस की छात्रा थीं। उनकी हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची, तो सिमरन खून से लथपथ पड़ी थी। आनन–फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सिमरन को मृत घोषित कर दिया। इस बीच पुलिस ने घटनास्थल से ही विकास को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव के मुताबिक, सिमरन अपनी मां रेखा की दूसरी शादी से नाखुश थी। रेखा की शादी के बाद से ही विकास और सिमरन के बीच अनबन चली आ रही थी। सिमरन, विकास को अपने सौतेले पिता के रूप में स्वीकार नहीं कर पा रही थी। कई बार दोनों के बीच झगड़ा हो चुका है। बताया जा रहा है कि विकास चंद्र पांडेय की नजर रेखा की संपत्ति पर थी। वह प्रॉपर्टी की विरासत के लिए भी दबाव बनाता रहता था। रेखा से शादी करके विकास मौज की जिंदगी काट रहा था। एसपीपी विकास जायसवाल ने भी घटनास्थल का दौरा किया और आरोपी से पूछताछ की है। घटनास्थल से खून से सने दो चाकू मिले हैं, जो सिमरन की हत्या में इस्तेमाल कि गए थे।उधर, सिमरन के ताऊ के हवाले से रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि वर्ष 2016 के बाद से ही रेखा से उनका कोई संपर्क नहीं है। बताया जा रहा है कि रेखा के पहले पति डॉक्टर थे। बहरहाल, पुलिस इस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है। ये भी देखा जा रहा है कि संपत्ति को लेकर सिमरन की हत्या तो नहीं की गई है।

इमरजेंसी के बाद सन्नाटे में डूब गया था बाबुओं का शहर, सड़कों पर तैनात था पुलिस बल

आज से 50 साल पहले, 25 जून 1975 की रात 12रू00 बजे देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की थी. यह आपातकाल 21 मार्च 1977 तक लागू रहा. लोकतंत्र के इस काले अध्याय का असर पूरे देश के साथ प्रयागराज पर भी गहरा पड़ा था.आपातकाल की घोषणा के अगले ही दिन 26 जून 1975 को प्रयागराज में पहली गिरफ्तारी हुई. जिला अदालत के वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र देव पांडेय, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी और समाजवादी नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. जनेश्वर मिश्र को गिरफ्तार कर नैनी सेंट्रल जेल भेज दिया गया.इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले से मचा था सियासी भूचालवरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र देव पांडेय बताते हैं कि 12 जून 1975 को सुबह 10 बजकर 10 मिनट परइलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जगमोहन सिन्हा ने एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाया था. उन्होंने रायबरेली सीट से इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध ठहराते हुए छह वर्षों तक चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी. इसी फैसले और बिहार में जयप्रकाश नारायण के आंदोलन ने इंदिरा सरकार को हिलाकर रख दिया था.बाबुओं का शहर भी हो गया था खामोशआपातकाल के बाद प्रयागराज, जिसे बाबुओं का शहर कहा जाता है, पूरी तरह सन्नाटे में डूब गया था. सरकारी अफसर दफ्तरों में काम खत्म कर सीधे घर लौट जाते थे. लंच टाइम में भी बाहर निकलने की हिम्मत नहीं होती थी. शहर की सड़कों पर भारी पुलिस बल तैनात रहता था.अखबारों पर मजिस्ट्रेट की सेंसरशिपउस दौर में अखबार छपने से पहले मजिस्ट्रेट की अनुमति लेना अनिवार्य था. समाचारों पर पूरी तरह सेंसरशिप लागू थी. जो खबर सरकार को मंजूर होती, वही छपती. बीबीसी लंदन की रेडियो सेवा को लोग दरवाजे बंद कर छिपकर सुनते थे. आकाशवाणी पर सिर्फ सरकार द्वारा फिल्टर की गई खबरें सुनाई देती थीं.छात्र चुप, विरोध गायबयूनिवर्सिटी और कॉलेजों में छात्र पढ़ाई के बाद सीधे घर चले जाते थे. किसी तरह का धरना–प्रदर्शन या सभा तक नहीं होती थी. हर कोई डरा–सहमा था.20 सूत्रीय कार्यक्रम और जबरन नस. बंदीकरीब छह महीने बाद इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने 20 सूत्रीय कार्यक्रम की शुरुआत की. इसमें सड़क निर्माण, पेड़ लगाना जैसी बातें थीं, लेकिन साथ ही जबरन नसबंदी कार्यक्रम भी लागू किया गया. ग्राम सेवकों और शिक्षकों को हर माह पांच लोगों की नसबंदी कराना अनिवार्य कर दिया गया. ऐसा न करने पर वेतन भत्ते रोक दिए जाते. कई नाबालिग बच्चों, वृद्धों और यहां तक कि विधवाओं की भी नसबंदी कर दी गई.इमरजेंसी की कीमत लोकतंत्र ने चुकाईवरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र देव पांडेय बताते हैं कि इमरजेंसी के दौरान लोगों के मौलिक अधिकार समाप्त कर दिए गए थे. अदालतों तक में याचिका दाखिल करने की अनुमति नहीं थी. विरोध करने वालों को जेल में डाला गया. लोकतंत्र पर यह सबसे बड़ा हमला था जिसकी याद आज भी लोगों के जेहन में जिंदा है.

बदायूं सड़क पर गोवंशों का डेरा पैदा कर रहा हादसे का डर

बदायूं जनपद में छुट्टा गोवंश की समस्या से हर कोई परेशान है। गांव से लेकर शहरों तक में छुट्टा गोवंश लोगों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। हाईवे पर छुट्टा गोवंश दिन भर जमे रहते हैं जिससे वाहन चालक भी खतरे से बाहर नहीं हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को कई बार पत्र लिखे, लेकिन छुट्टा गोवंश की समस्या से निजात नहीं मिली।मुरादाबाद–फर्रुखाबाद हाइवे स्थित ग्राम कुलचौरा में करीब 500 से अधिक छुट्टा गोवंश हैं। छुट्टा गोवंश गांव से लेकर खेतों में रात दिन घूमते हैं। इससे लोगों की फसलें नष्ट हो रही हैं। कुलचौरा गांव रोड पर है इसलिए इस हाईवे पर छुट्टा गोवंश हर समय खड़े रहते हैं। रोड से गुजरने वाले वाहन चालक छुट्टा गोवंश से बच कर निकलते हैं। बीच रोड पर सांड़ सुबह से शाम तक खड़े रहते हैं। बस और ट्रक जैसे बड़े वाहन भी कभी कभी काफी देर तक खड़े रहते हैं। जब गोवंश को लाठी लेकर दौड़ाया जाता है तो वाहन निकलते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि छुट्टा गोवंश की समस्या को लेकर जिला प्रशासन को कई बार पत्र दिए गए। गोवंश को गोशाला में संरक्षित कराने की मांग की गई, मगर किसी अधिकारी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। उधर, मुरादाबाद रोड स्थित सिलहरी और बिसौली क्षेत्र में सैकड़ों गोवंश रात को हाईवे पर बैठते हैं जिससे वाहन चालकों को दिक्कत होती है। बिसौली निवासी राजीव गुप्ता ने बताया कि बिसौली से आसफपुर रोड पर दिन में गोवंश सड़क पर ही बैठते हैं। इससे ऑटो ई रिक्शा चालकों को दिक्कत होती है। चार दिन पूर्व एक ई रिक्शा गोवंश को बचाने के चक्कर में पलट गया। इससे तीन लोग चोटिल हो गए। राजीव ने बताया कि स्थानीय दुकानदार दिन में गा.`वंश को दुकानों के आगे से हटाते रहते हैं, लेकिन गोवंश वहां पर कूड़ा कचरा खाते रहते हैं। इससे दुकानदारों को परेशानी होती है।दातागंज रोड स्थित लखनपुर गांव पर सैकड़ों गोवंश हैं। यहां पर मार्च में गोवंश पकड़ने को अभियान चलाया गया था जिसमें करीब दो दर्जन गोवंश पकड़े गए थे। ग्रामीणों ने बताया कि गोशालाओं से फिर गोवंश छोड़ दिए गए जो अब खेतों में सड़कों पर इधर–उधर बैठते हैं। दातागंज रोड पर ही डहरपुर गांव के निकट सैकड़ों गोवंश का झुंड रहता है।लोगों ने गोवंश की समस्या को लेकर एसडीएम को भी अवगत कराया। तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर गोवंश से निजात दिलाने की गुहार की गई, लेकिन इस पर आज तक किसी अधिकारी ने कोई कार्रवाई नहीं की है। पशुपालन विभाग का कहना है कि पिछले माह शासन के निर्देश पर गोवंश पकड़ने का अभियान चलाया गया था। अभियान के तहत करीब 1100 से अधिक गोवंश विभिन्न गोशालाओं में संरक्षित किए गए थे, लेकिन जिले भर में छुट्टा गोवंश हैं जिन्हें पकड़ना संभव नहीं है।

हाथरस में बुजुर्ग महिला की हत्या साथ रहने वाला साधुवेशधारी सिर पर डंडा मारकर फरार, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

हाथरस में हाथरस जंक्शन कोतवाली क्षेत्र में कस्बा मेंडू के पास भैरव मंदिर के निकट एक वारदात सामने आई है। सड़क किनारे झोपड़ी में रह रही 65 वर्षीय रेखा देवी की हत्या कर दी गई।रेखा देवी एक साधुवेशधारी बुजुर्ग के साथ करीब 5 साल से इस झोपड़ी में रहती थीं। दोनों भीख मांगकर और कबाड़ा बीनकर अपना जीवन यापन करते थे। सुबह कुछ लोगों ने झोपड़ी के बाहर रेखा देवी का शव लहूलुहान अवस्था में देखा। उनके सिर और पेट पर गंभीर चोट के निशान थे। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को जांच में पता चला कि रेखा देवी के साथ रहने वाला बुजुर्ग व्यक्ति मौके से फरार हो गया है।सीओ सिकंद्राराऊ के अनुसार, साथ रहने वाले बुजुर्ग ने ही रेखा देवी के सिर पर डंडा मारकर उनकी हत्या की है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी की तलाश में जुटी है।

हाथरस में विद्युत करंट से युवक की मौतरूघर में तार लगाते समय हादसा, कूलर की आवाज से परिजनों को पता चला

हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र के गांव कुंडा में एक घटना सामने आई है। बीती रात घर में बिजली का तार लगाते समय 29 वर्षीय एक युवक सोनू शर्मा की करंट लगने से मौत हो गई। सोनू हरिशंकर शर्मा के पुत्र थे। वह अपने घर में बिजली का तार लगा रहा था।इसी दौरान वह विद्युत करंट की चपेट में आ गया। वह बेहोश होकर वहीं गिर पड़ा। घर में चल रहे कूलर की आवाज के कारण परिजनों को इस घटना का पता नहीं चला कि सोनू विद्युत करंट की चपेट में आकर बेहोश होकर पड़ा है।जब बाद में परिजनों की नजर सोनू पर पड़ी, तो उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव को घर ले आए। मृतक युवक अविवाहित था। घटना के बाद गांव में शोक व्याप्त है।

फसल काटते समय करंट से मजदूर की मौत हाथरस में जंगली जानवरों से बचाने के लिए लगाए गए विद्युत प्रवाहित तार से हुआ हादसा

हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला दया में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक खेत पर फसल काटते समय 40 वर्षीय मजदूर रामबाबू पुत्र कालीचरन की करंट लगने से मौत हो गई।रामबाबू मेहनत मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते थे। वह आज अपने ही गांव में एक किसान की फसल काट रहे थे। खेत के चारों तरफ जंगली जानवरों से फसल की सुरक्षा के लिए बिजली के तार लगे हुए थे। इसी दौरान रामबाबू इन तारों की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए।परिवार के लोगों में मचा कोहराम हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ लोग उन्हें तुरंत जिला अस्पताल लेकर गए। लेकिन चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल में मृत घोषित कर दिया। रामबाबू के परिवार में एक छोटी बच्ची समेत अन्य परिजन हैं, जिनका रो–रोकर बुरा हाल है।

हाथरस में मौसम का बदलता मिजाज उमस भरी गर्मी से लोग परेशान, जलभराव ने भी बढ़ाई लोगों की दिक्कतय 25 जून तक ऑरेंज अलर्ट

हाथरस में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। कल 45 मिनट तक तेज बारिश हुई। मंगलवार को धूप और बादलों का खेल जारी है। तापमान में भी उतार–चढ़ाव देखा जा रहा है। कल अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहा।आज अधिकतम तापमान बढ़कर 34 डिग्री सेल्सियस हो गया है। न्यूनतम तापमान भी एक डिग्री बढ़कर 28 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। मौसम विभाग ने हाथरस में 25 जून तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज बारिश की संभावना है। बादलों की आवाजाही से अनुमान है कि आज भी तेज बारिश हो सकती है।जरा सी बारिश में हो जाता है जलभरावस्थानीय लोगों की चिंता का कारण है कि थोड़ी सी बारिश में ही शहर में जलभराव की स्थिति बन जाती है। शहर में तालाब ओवर ब्रिज के नीचे, कर्बला रोड, खोड़ा हजारी, नाई का नगला, बाला पट्टी, लाला का नगला सहित कुछ स्थानों पर जलभराव है। इससे लोग परेशान हैं।

स्ट्रीट लाइटें खराब, अंधेरे में डूबा शहर, शहरवासी ही नहीं पार्षद भी परेशान, अब किससे लगाएं गुहार

ऊपरकोट, आवास विकास, उस्मान पाड़ा, महफूजनगर, एलमपुर, भुजपुरा, जीवनगढ़, केला नगर, सुदामापुरी, कुलदीप विहार, कनवरीगंज, बेगपुर, क्वार्सी से केला नगर रोड, जीवनगढ़ रोड, रजा नगर और बैंक कॉलोनी में स्ट्रीट लाइटें या तो हैं ही नहीं या खराब हैं।अलीगढ़ महानगर की बंद स्ट्रीट लाइटों से शहरवासी ही नहीं बल्कि पार्षद भी परेशान हैं। आम शहरवासी को छोड़िए पार्षदों की शिकायतों पर भी सुनवाई नहीं हो रही है। शहर में शाम होते ही अंधेरा छा जाता है। नगर निगम की बै. ठकों में भी यह मुद्दा कई बार गूंज चुका है, लेकिन हालात जस के तस है।ऊपरक. ोट, आवास विकास, उस्मान पाड़ा, महफू. जनगर, एलमपुर, भुजपुरा, जीवनगढ़, केला नगर, सुदामापुरी, कुलदीप विहार, कनव. रीगंज, बेगपुर, क्वार्सी से केला नगर रोड, जीवनगढ़ रोड, रजा नगर और बैंक कॉलोनी में स्ट्रीट लाइटें या तो हैं ही नहीं या खराब हैं। शाम होते ही इन क्षेत्रों की गलियां अंधेरे में डूब जाती हैं, जिससे शाम के बाद आना–जाना मुश्किल हो रहा है।सद्दाम हुसैन ने कहा कि कई बार शिकायत के बाद भी नगर निगम के कर्मियों पर कोई फर्क नहीं पड़ा। अंधेरे के कारण रात में बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। महिलाओं और बच्चों के लिए यह स्थिति और भी असुरक्षित है। ऊपरकोट निवासी नाजिम चमन ने बताया कि शाम के बाद गलियों में इतना अंधेरा छा जाता है कि पैदल चलना जोखिम भरा है। आवास विकास कॉलोनी की निवासी रीता देवी ने शिकायत की कि खराब स्ट्रीट ला. इटों के कारण चोर–उचक्कों का खतरा है। मो. जावेद ने कहा कि स्मार्ट सिटी प्रा. `जेक्ट के तहत कुछ चुनिंदा क्षेत्रों को छोड़कर बाकी शहर अंधेरे में है। भाजपा पार्षद निरंजन सिंह ने सुझाव दिया कि जोनवार जिम्मेदारी सौंपकर स्ट्रीट लाइट की मरम्मत करानी चाहिए।स्ट्रीट लाइटों को सही कराया जा रहा है। इसके लिए रोटेशन बना कर कर्मचारी वार्डवार काम कर रहे हैं। मुख्य मार्गों की लाइट भी ठीक कराई जाएगी।

अलीगढ़ में 10 हजार बिजली बकायेदारों पर बड़े एक्शन की तैयारी, वसूली के लिए बना प्लान

अलीगढ़रू यूपी के अलीगढ़ जिले में बड़े बिजली बकायेदारों के खिलाफ एक्शन की तैयारी है. आगरा मुख्यालय से गठित विशेष टीमों ने अलीगढ़ शहरी क्षेत्र में राजस्व वसूली की स्थिति की समीक्षा की. इन टीमों को निर्देश दिया गया है वह जांच करें कि क्षेत्र में विद्युत बिल बकायेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है.10 हजार से ज्यादा बकाएदार, करोड़ों रुपये बकाया बता दें कि नगर निगम क्षेत्र में करीब 10,000 बकायेदार उपभोक्ता हैं, जिनमें से लगभग 700 से 800 उपभोक्ताओं पर करीब 2 करोड़ रुपये की बकाया राशि दर्ज है. इन उपभोक्ताओं को पहले बिल भुगतान के लिए कॉलिंग, नोटिस और तगादा किया जाता है. फिर भी अगर भुगतान नहीं किया जाता, तो विभाग संयुक्त रूप से संयोजन विच्छेदन इनके खिलाफ भी एक्शन इसके अलावा, जिन उपभोक्ताओं की बकाया राशि 2,000 से 10,000 रुपये के बीच है, उनके खिलाफ भी चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई की जा रही है. क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा कॉलिंग के साथ–साथ लाउडस्पीकर के माध्यम से मोहल्लों में अनाउंसमेंट कर उपभोक्ताओं को सूचित किया जा रहा है.विभाग की ओर से सभी उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे समय रहते अपने बिजली बिल का भुगतान करें. समय पर भुगतान से न केवल राजस्व वसूली सुचारू रूप से हो सकेगी, बल्कि उपभोक्ताओं को भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा या कार्रवाई का सामना भी नहीं करना पड़ेगा. जिन उपभोक्ताओं का बिल अद्यतन रहता है और वे समय से पहले भुगतान करते हैं, उन्हें विभाग की ओर से विशेष छूट और प्राथमिकता भी दी जाती है.

फर्जी डिग्री से नौकरी पाने वाला शिक्षक बर्खास्त हाथरस में बीएसए ने की कार्रवाई, मुकदमा भी होगा दर्ज

हाथरस में फर्जी बीए डिग्री से नौकरी पाने वाले शिक्षक मुजाहिद हुसैन को बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बर्खास्त कर दिया है। शिक्षक की तैनाती ब्लॉक हसायन के प्रा. थमिक विद्यालय बरामई में थी।मुजाहिद हुसैन मुरादाबाद के थाना दिलारी क्षेत्र के ढकिया पीरू के निवासी हैं। उनका चयन 12460 शिक्षक भर्ती के तहत सहायक शिक्षक के पद पर हुआ था। बीएसए कार्यालय ने शैक्षिक दस्तावेजों के सत्यापन के लिए छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर से संपर्क किया।विश्वविद्यालय की जांच में पाया गया कि शिक्षक द्वारा प्रस्तुत बीए अंकतालिका (अनुक्रमांक 5027326, वर्ष 2012) फर्जी थी। बीएसए कार्यालय ने शिक्षक को तीन बार स्पष्टीकरण का मौका दिया। 29 अप्रैल को पहला नोटिस, 24 मई को दूसरा और 4 जून को अंतिम नोटिस जारी किया गया। शिक्षक ने 8 मई को एक जवाब प्रस्तुत किया, जो साक्ष्य रहित और असंतोषजनक पाया गया। बाद के नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया गया।मुकदमा दर्ज कराने के आदेश बीएसए स्वाति भारती ने शिक्षक को बर्खास्त करने के साथ ही बीईओ को उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने और नियुक्ति काल में प्राप्त वेतन की वसूली के आदेश दिए हैं।

फर्जी प्रमाणपत्रों से नौकरी हासिल करने वाला शिक्षक बर्खास्त

फर्जी प्रमाणपत्रों से नौकरी हासिल करने वाले शिक्षक को बीएसए ने बर्खास्त कर दिया है। बीएसए ने सेवा समाप्ति का आदेश जारी करते हुए बीईओ को आरोपी शिक्षक के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कराने व नियुक्ति काल में प्राप्त वेतन की रिकवरी के भी आदेश दिए है। इस शिक्षक की तैनाती ब्लॉक हसायन के प्राथमिक विद्यालय बरामई में थी।जारी आदेश में बीएसए स्वाति भारती ने कहा कि मुजाहिद हुसैन निवासी ढकिया पीरू थाना दिलारी जिला मुरादाबाद का चयन 12460 शिक्षक भर्ती के तहत जनपद में हुआ था। उनकी नियुक्ति सहायक अध्यापक के पद पर प्राथमिक विद्यालय बरामई ब्लॉक हसायन में की गई। भर्ती के आवेदन के दौरान प्रस्तुत किए गए शैक्षिक एवं प्रशिक्षण अभिलेखों के सत्यापन के संबंध में बीए की अंक तालिका अनुक्रमांक 5027326 के सत्यापन के लिए बीएसए कार्यालय द्वारा छत्रपति शाहू जी महाराज विवि कानपुर की आधिकारिक वेबसाइट पर नौ अगस्त 2024 को ऑनलाइन आवेदन किया गया। विवि की वेबसाइट पर इस शिक्षक की बीए अनुक्रमांक 5027326 की सत्यापन रिपोर्ट पांच अप्रैल 2025 को प्राप्त हुई। नियुक्ति पत्रावली का परीक्षण करने पर संज्ञान में आया कि नियुक्ति के समय प्रस्तुत बीए अनुक्रमांक 5027326 परीक्षा वर्ष 2012 की अंकतालिका के आधार पर बेसिक शिक्षा विभाग में नियुक्ति प्राप्त की गई थी।इससे प्रथम दृष्टया स्पष्ट होता है कि शिक्षक ने बीए फर्जी व कूटरचित अंकतालिका के आधार पर इस विभाग में नियुक्ति प्राप्त की है। इस संबंध में बीएसए कार्यालय से 29 अप्रैल 2025 को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। आरोपी ने आठ मई 2025 को बीएसए कार्यालय में अपना जवाब प्रस्तुत किया। यह साक्ष्य रहित व आधारहीन व असंतोषजनक पाया गया। इसके बाद बीएसए कार्यालय ने 24 मई 2025 को अंतिम नोटिस जारी कर इस संबंध में अपना जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा, लेकिन मुजाहिद हुसैन कोई जवाब प्रस्तुत नहीं कर सके।बीएसए कार्यालय से चार जून 2025 को आरोपी शिक्षक को इस संबंध में अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए एक बार फिर अवसर दिया गया, लेकिन इसके बा. वजूद कोई भी जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। इसपर बीएसए ने बर्खास्तगी की कार्रवाई की।– फर्जी प्रमाणपत्रों से विभाग में नियुक्ति हासिल करने वाले शिक्षक की सेवा समाप्त कर दी गई है। बीईओ को आरोपी शिक्षक के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कराने व नियुक्ति काल में प्राप्त किए गए वेतन की रिकवरी करने के आदेश दिए गए हैं। इस संबंध में उच्चाधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया है। – स्वाति भारती, बीएसए, हाथरस।

पत्नी ने बच्चे को पीटा, पति ने की मारपीट महिला ने कमरे में बंद होकर फांसी लगाने का प्रयास किया, पड़ोसियों ने बचाया

हाथरस की रहने वाली 28 वर्षीय शवनम और सासनी के नगला शरदा निवासी धम. वीर के बीच सोमवार शाम को विवाद हो गया। शवनम ने गुस्से में अपने बच्चे को मार दिया। इस पर पति धर्मवीर ने पत्नी के साथ मारपीट की।मारपीट से आहत शवनम ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसने फांसी लगाने का प्रयास किया। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कमरे का दरवाजा तोड़कर शवनम को बचाया। पड़ोसियों ने मायके वालों को सूचना दी।मायके पक्ष के लोगों के पहुंचने पर उनके साथ भी मारपीट की गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। मायके पक्ष के लोग शवनम को थाने ले गए। वहां से उसे मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया।प्रभारी निरीक्षक शिवकुमार शर्मा ने बताया कि मायके पक्ष की तरफ से अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शवनम की शादी धर्मवीर से करीब तीन साल पहले हुई थी। तभी से दोनों के बीच अनबन चली आ रही है।

जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर लगा

हाथरस में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल के स्थापना दिवस पर एक विशेष पहल की गई। जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 51 लोगों ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने रक्तदान के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि रक्तदान से किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि वे नियमित रूप से ऐसे सामा. जिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहते हैं।यह रहे मुख्य रूप से मौजूद...शिविर में विभाग अध्यक्ष राहुल उपाध्याय और जिला अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने विशेष भागीदारी की। जिला महामंत्री रमेश चंद चौधरी भी मौजूद रहे। राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष अभिषेक खंडेलवाल ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। नगर अध्यक्ष गौरव पाठक और नगर महामंत्री आशुतोष अग्रवाल ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा. ई। सोनू वार्ष्णेय, अमन सिंह, पंकज मित्तल, मनीष सोनी और दुर्वेश चौहान सहित कई लोगों ने रक्तदान में भाग लिया।

शातिर महिला ने जिस पति को 15 साल पहले छोड़ दिया धोखाधड़ी से बेचा उसका मकान

अलीगढ़। थाना कोतवाली नगर ऊपरकोट के मुल्लापाड़ा भुजपुरा में प्रॉपर्टी के लिए 15 साल पूर्व अपने पति को छोड़कर चली गई महिला ने किसी और केसाथ शादी कर ली और अपना जीवन यापन करने लगी तो वहीं पत्नी के छोड़कर जाने के बाद पति ने भी अपनी दूसरी शादी कर ली। मजे की बात तो यह है कि जिस पति को 15 साल पहले छोड़कर चली गई उसकी प्रापर्टी और प्लॉट मकान से उसका क्या वास्ता रह जाता हैं,लेकिन षड़यंत्र के तहत साजिश रचकर धोखाधड़ी करते हुये महिला ने अपने पुराने पति के मकान को किसी व्यक्ति को दान में दे दिया और उसके दस दिन बाद ही उस मकान का पांच लाखरूप्ये में किसी अन्य को सौदा कर बेच दिया गया। जब पति को पता चला कि उसकी पहली पत्नी ने उसका मकान बेच दिया है तो उसके पैरों तले हवा निकल गई और जिलाधिकारी से लेकर मुख्यमंत्री से न्याय की गुहारलगाई,लेकिन स्थानीय पुलिस ने अपनी मनमानी के चलते पीड़त की तहरीर पर धोखेबाज महिला और उसके साथियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई,जिसके चलते उनके हौसले बुलन्द हैं। जिस व्यक्ति ने पांच लाख रूपये का मकान खरीदा है उसके बैक खाते में से एक माह के अन्दर कोई पांच लाख का भुगतान ही नहीं हुआ हैं।,लेकिन पुलिस और जिला प्रशासन धोखेबाजों के खिलाफ रिपोर्टदर्ज करने में क्यों आना–कानी कर रहे हैं। जबकि सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ अवैध कब्जा करने वालों को जेल भेजने के निर्देश दे रहे हैं,लेकिन अलीगढ़ में मुख्यमंत्री के आदेशों की अवहेलना करते हुये खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, और अन्धाधुन्ध जमीनों पर भू–माफिया कब्जा करने में लगे हुये हैं।जनपद हाथरस के गांव नबीपुर के रहने वालजे पन्नालाल पुत्र हबीब ने जिलाधिकारी से लेकर मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है कि यह है कि उसने एक प्लॉट गाटा संख्या–29 स्थित मुल्लापाड़ा भुजपुरा थाना कोतवाली नगर में 98 वर्गगज का खरीदा था। प्लॉट खरी. दने के बाद उसने उस पर अपना मकान तैयार करा लिया जिसमें उसके बेटे रहते है और खुद अपने गांव में रहता है। प्रार्थी को स्थानीय लोगों से जानकारी मिली है कि उक्त मकान को कमरूद्दीन पुत्र शमसुद्दीन निवासी इस्लाम नगर मुल्लापाड़ा भुजपुरा तहसील कोल थाना कोतवाली नगर किराये पर आकर रहने लगा। जिसके बाद फकरुद्दीन के ममिया ससुर कमरूद्दीन का मकान पर आना जाना हो गया और दोनों ससुर और दामाद ने एकराय होकर कमरूद्दीन की बहिन हसीना बेगम पत्नी मुहीद निवासी जलालपुर थाना देहलीगेट पुलिस चौकी वाली गली और रजिया पत्नी नामालूम पुत्री अनीस निवासी टावर वाली गली इस्लाम नगर भुजपुरा के साथ षड़यंत्र के तहत धोखाधड़ी कर सा. जिश रचकर उसके मकान का 20जुलाई 2024 को हसीना बेगम ने अपने भाई कमरूद्दीन को दान में मकान का फर्जी बैनामा कर दिया है जिसके बाद कमरूद्दीन ने पन्नालाल के मकान का फर्जी बैनामा दसदिन बाद ही 30 जुलाई 2024 को अपने दामाद फकरुद्दीन के नाम से कर दिया है। जबकि उक्त लोगों का पन्नालाल के मकान से कोई लेना–देना नहीं हैं और ना हीं कोई वास्ता है, फिर भी उक्त शातिर महिला और ससुर और दामाद एकराय होकर उसके मकान को फर्जी तरीके से बेच दिया हैं। दबंग महिला और ससुर दामाद ने मिलकर पन्नालाल के मकान पर अवैध कब्जा जमा रखा है और खाली नहीं कर रहे हैं। जब पन्नालाल अपने मकान को खाली कराने को कहा जाता है तो उक्त दबंग झगड़ा फसाद करते हैं औरझूठे मुकदमें में फसाने की धमकी देते हुये उसका और उसके परिवार का आर्थिक व शारीरिक एवं मानसिक उत्पीडन कर रहे हैं। स्थानीय पुलिस द्वारा उक्त दबंग आरोपियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है जिसके चलते उनके हौसले बुलन्द हैं। इनका कहना है..इस सबंध में एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक से पूठा गया कि पीड़ित कीशिकायत पर रिपोर्टक्यों नहीं लिखी जा रही है तो उन्होंने मामला राजस्व विभाग का बताकर टाल दिया। अब देखना है कि जिलाधिकारी पीड़ित को किस तरह न्याय दिलाने के लिये क्या कार्यवाही करेगें,ये रामभरासे हैं।

संस्थापक प्रधान पवन सादाबादी एवं अध्यक्ष रतन देव वार्ष्णेय के नेतृत्व में सेवायात्रा का शुभारंभ

अलीगढ़ आज श्री अमरनाथ सेवा मंडल, अलीगढ़ द्वारा आयोजित 28वां भव्य भंडारा पवित्र अमरनाथ यात्रा मार्ग पर स्थित बा. लटाल के लिए रवाना हुआ। यह सेवा यात्रा हर वर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भक्तों की सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को साकार करती है।भंडारे का शुभारंभ मंडल के संस्थापक प्रधान श्री पवन सदाबादी एवं अध्यक्ष श्री रतन देव वार्ष्णेय की उपस्थिति में विधिवत रूप से हुआ। उन्होंने सेवायात्रा दल को झंडी दिखाकर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया और कहा कि ष्यह केवल सेवा नहीं, एक आध्यात्मिक जिम्मेदारी है, जिसे हमारा मंडल 28 वर्षों से निभाता आ रहा है।ष्इस भंडारे में श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन, शुद्ध जल, प्राथमिक चिकित्सा और विश्राम की सुविधा प्रदान की जाएगी। यह सेवा अगले कई सप्ताहों तक बालटाल में अम. रनाथ यात्रा के दौरान जारी रहेगी।सेवा मंडल के इस प्रयास की सराहना स्थानीय समाजसेवियों, धार्मिक संगठनों और गणमान्यजनों ने की है। आयोजन में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया और सेवा कार्य में योगदान देने के संकल्प के साथ मंडल को शुभकामनाएं दीं।ष्सेवा ही परम धर्म हैष् इसी मूलमंत्र के साथ श्री अमरनाथ सेवा मंडल, अलीगढ़ निरंतर 28 वर्षों से अमरनाथ यात्रियों की सेवा में समर्पित है। पंडित कौशल किशोर व्यास जी ने विधिवत पूजाअर्चना की,भंडारे की रवानगी के समय हरजीत सिंह काका, नरेंद्र कुमार नरेश, सुरेंद्र शर्मा, मधुकर भाषणओम प्रकाश रा. जवीर सिंह स् प् ब् ,मोहित वार्ष्णेय ,सुरेंद्र शर्मा ,मधुकर कंप्यूटर, हरिओम पाहव उत्तम शर्मा ,गोपाल,राजू वीडियो आदि सेवादार मौजूद थे।

गुजरात व पंजाब उपचुनाव में जीत से आप नेताओं के चेहरे खिले

आम आदमी पार्टी अलीगढ़ के जिला अध्यक्ष संजीव कौशिक ने कहा कि मोदी के गढ़ में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजनीति में जबरदस्त वापसी हुई है।जिला महासचिव दीपक चौधरी ने कहा अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी (आप) ने गुजरात और पंजाब के उपचुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल कर राष्ट्रीय राजनीति में अपनी मजबूत वापसी का ऐलान किया है।महानगर अध्यक्ष मोनिका थापर ने कहा गुजरात की विसावदर विधानसभा सीट पर श्री गोपाल इटालिया और पंजाब की लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट पर संजीव अरोड़ा ने शानदार जीत दर्ज की है। विशेष रूप से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गढ़ गुजरात में भारतीय जनता पार्टी को करारी शिकस्त देकर आप ने यह साबित कर दिया है कि जनता का विश्वास अब ईमानदार और जन–केंद्रित राजनीति पर है।इस ऐतिहा. सिक जीत का जश्न मनाने के लिए गांधी पार्क (पुराना बस अड्डा) पर जिला कोषाध्यक्ष रविंद्र पाल के नेतृत्व में एक आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं के साथ–साथ मातृशक्ति की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी प्रेरणादायक बनाया, जो आप के प्रति जनता के बढ़ते समर्थन का प्रतीक है।जिला उपाध्यक्ष ठाकुर नरेंद्र सिंह ने कहा इस जीत ने न केवल आप की नीति, नीयत और नेतृत्व पर जनता के विश्वास को मजबूत किया है, बल्कि यह भी दर्शाया है कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी राष्ट्रीय राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है।आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध है। यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के अटूट समर्थन का परिणाम है। आज के कार्यक्रम रविंद्र पाल ठाकुर नरेंद्र सिंह सीपी सिंह हजरत अली अनिल गौड़ अजय बेनीवाल साबिर अली रजत शर्मा नीतू शेरवानी डॉक्टर मनीष शर्मा मीना भारद्वाज हाशिम आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

थाना छर्रा में अवैध तरीके से अर्जित की गई करोड़ों की संपत्ति को पुलिस ने किया कुर्क

अलीगढ़।जनपद में डीएम एसएसपी के निर्देश पर छर्रा थाना पुलिस ने कुर्की की कार्यवाही को अंजाम दिया है। आपको बता दें कि थाना छर्रा क्षेत्र में लोगों को डरा धमका कर जमा की गई 4 करोड़ 15 लाख रुपए की संपत्ति को पुलिस ने कुर्क कर लिया है।आपको बता दें कि डीएम और एसएसपी के आदेश के बाद एसपी ग्रामीण के निर्देशन में क्षेत्र अधिकारी धनंजय सिंह ने ये बड़ी कार्यवाही की है। सूत्रों की मानें तो माफिया अनिरुद्ध यादव उर्फ सुनील यादव उर्फ राजीव यादव व उसकी पत्नी ममता यादव ने नए लोगों को डरा धमका कर ये संपत्ति अर्जित कर रखी थी और इस कार्यवाही के साथ पंद्रह लाख रुपए की एक स्कॉर्पियो गाड़ी को भी कुर्क किया गया है।आपको बता दें कि ये पूरा मामला अलीगढ़ की छर्रा कोतवाली क्षेत्र का है जबकि संपत्ति की कुर्की के दौरान यहां पर प्रशासन की ओर से बाकायदा मुनादी भी कराई गई।

जिला जज एवं जिला मजिस्ट्रेट ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

अलीगढ़ जिले की न्यायिक एवं प्रशास. निक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जिला जज अनुपम कुमार, जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन, एसएसपी संजी. वसुमन और अपर जिला जज एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितिन रंजन श्रीवास्तव द्वारा मंगलवार को जिला कारागार का संयुक्त निरीक्षण किया गया। जिला प्रशासन एवं न्यायिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सुधारात्मक दृष्टिकोण के साथ जेल व्यवस्थाओं को मानवाधिकारों के अनुरूप बनाए रखना प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर की साफसफाई, सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों के स्वास्थ्य, भोजन, आवास, चिकित्सीय सुविधा, विधिक सहायता और पुनर्वास कार्यक्रमों की स्थिति का गहन अवलोकन किया गया। न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने रसोईघर, अस्पताल, महिला बैरक, हाई–सिक्योरिटी बैरक सहित विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का मूल्यांकन कियाजिला जज ने बंदियों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराए जाने के संबंध में जेल प्रशासन एवं विधिक सेवा प्राधिकरण को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जेल परिसर में स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति एवं सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक, जेलर, मुख्य चिकित्साधिकारी एवं संबंधित अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। निरीक्षण दल ने बंदियों से सीधे संवाद कर

उनकी समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का आश्वासन दिया।

पीड़ित ध्यान दें

दि आप भ्रष्टाचार, भेदभाव, अन्याय, शोषण
ौर उत्पीड़न का शिकार हैं
दि आपकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही
।
दि आपके आसपास किसी भी प्रकार की कोई
न सामाजिक समस्या या कोई अपराध हो
ा है तो सम्पादक 'जननायक सम्राट' को पूरे
ावरण के साथ पत्र लिखकर इसकी जानकारी
या मिलें।
से 'जननायक सम्राट' को प्रकाशित कर
ष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया जाएगा। पत्र
जने वाले का पूरा नाम एवं पता देने
ावश्यक है।इसे पूर्णतः गोपनीय रखा
ायेगा।

मो. 8218049162
mail: jannayaksamrataligarh@gmail.com
jnsnews24aligarh@gmail.com

शुद्धता के प्रति सख्त हुआ प्रशासन, जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग का व्यापक अभियान

अलीगढ़रू जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा जनसामान्य को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाने के लिए दिए गए निर्देशों के क्रम में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा जिले भर में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थलों से खाद्य सामग्री के कुल 15 नमूनों का संग्रहण कर जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया।सहायक आयुक्त खाद्य दीनानाथ यादव ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि मंगलवार को सासनीगेट चौराहा से महेश कुमार, बसुंधरा कॉलोनी मथुरा रोड से अजब सिंह, पंडित दूध डेरी, स्वर्ण जयंती नगर, चौधरी डेरी, स्वर्ण जयंती नगर, माधव डेरी एंड स्वीट्स, स्वर्ण जयंती नगर, गभाना रूपनगर से खाद्य कारोबारी पीयूष प्रजापति से 2 नमूने, ग्राम जलालपुर से 1 मिश्रित दूध व 1 पनीर का नमूना संग्रहित किया गया।इसी प्रकार से सरसों के तेल की गुणवत्ता की जांच के लिए विभिन्न स्थानों से कुल 8 सर्वे नमूने अलग–अलग ब्रांडों के एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। संग्रहित सभी नमूनों को परीक्षण के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत दोषी पाए जाने पर विधिसम्मत कठोर कार्रवाई की जाएगी। सहायक आयुक्त खाद्य ग्रेड दो ने बताया है कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग का यह अभियान जनस्वास्थ्य संरक्षण के लिए सतत रूप से जारी रहेगा।

मीना कुमारी 25 को अलीगढ़ एवं 26 को खैर में करेंगी महिला जनसुनवाई

अलीगढ़ उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्य श्रीमती मीना कुमारी द्वारा 25 जून को पूर्वान्ह 11 बजे से पीडब्लूडी गेस्ट हाउस एवं 26 जून को पूर्वान्ह 11 बजे से तहसील खैर में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने के लिए महिला जनसुनवाई की जाएगी।जिला प्रोबेशन अधिकारी अजित कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वह निर्धारित समय व स्थान पर अद्यतन सूचनाओं सहित महिला जनसुनवाई में स्वयं उपस्थित होने का कष्ट करें।

सन्त कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार के लिए 04 सितम्बर तक करें आवेदन

अलीगढ़ (सहायक आयुक्त हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग देवेन्द्र कुमार ने बताया है कि हथकरघा एवं वस्त्रोद्योगविभाग द्वारा संचालित सन्त कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार योजना वर्ष 202526 के लिए अलीगढ़ परिक्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले जनपदअलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा एवं मथुरा में निवास करने वाले समस्त बुनकरों से उनके उत्पादन के उत्कृष्ट नमूने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के चयन के लिए आंमत्रित है।उन्होंने बताया कि बुनकर बन्धु अपने उत्कृष्ट नमूनों के साथ समस्त विवरण जैसेवार्प, वेस्ट, सूत एवं रंग डिजाईन इत्यादि सम्बन्धी तकनीकी विवरण प्रार्थनापत्र एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति के साथ संलग्न कर संबंधित जिले में तैनात क्षेत्रीय कर्मचरियों के माध्यम से अथवा सीधे परिक्षेत्रीय कार्यालय–सहायक आयुक्त हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग को 04 सितम्बर 2025 तक जमा करा दें। प्रार्थना–पत्र का प्रारूप किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय या क्षेत्रीय कर्मचारी से प्राप्त कर सकते है।

देवताओं के गुरु से चाहिए ज्ञान संतान और धन–धान्य? इन मंदिरों में करें दर्शन, पूरी होगी मनोकामना

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक 9 ग्रहों में से बृहस्पति ग्रह को देवताओं का गुरु बताया गया है. यानी गुरु ग्रह ज्ञान, सोच, संवाद, वाणी, धन, स्वास्थ्य और मान–प्रतिष्ठा के कारक हैं. शास्त्रों के मुताबिक देवताओं ने भी भगवान बृहस्पति देव (गुरु) से ही ज्ञान प्राप्त किया था. सबसे जरूरी बात यह है कि गुरु को ज्योतिष के मुताबिक शिक्षा का कारक कहा जाता है. कुंडली में मजबूत बृहस्पति धन और बुद्धि देते हैं. यह व्यक्ति को उच्च ज्ञान, शिक्षा, बुद्धि, और भाग्य का उदय करने वाले हैं. यह जीवन के क्षेत्रों में विस्तार का कारण बनते हैं.कुंडली में शुभ मंगल जहां आपको सुंदर जीवन साथी प्रदान करता है, वहीं शुभ बृहस्पति की उप. स्थिति जातक की शादी को बनाए रखने में मदद करती है. बृहस्पति वैसे तो सभी ग्रहों में सबसे ज्यादा लाभकारी माना गया है. लेकिन, कभी–कभी, यह नीच या क्रूर ग्रहों के प्रभाव के कारण प्रतिकूल प्रभाव भी डालता है. वैदिक ज्योतिष के मुताबिक गुरु ग्रह को धनु और मीन राशि का स्वामी कहा जाता है. वहीं मकर इसकी नीच राशि है. ऐसे में किसी भी जातक की कुंडली में गुरु का शनि या केतु के साथ संबंध बेहद बुरा माना जाता है.ऐसे में जिन जातकों की कुंडली में बृहस्पति कमजोर या नीच के हों उन्हें शक्कर, केला, पीला वस्त्र, केसर, नमक, पीली मिठाईयां, हल्दी, पीला फूल और भोजन का दान करना उत्तम माना गया है. इसके साथ ही रक्त दान करने से भी गुरु ग्रह का शुभ लाभ मिलता है. गुरुवार को केले की जड़ की पूजा करना और भगवान विष्णु की पूजा करना, बृहस्पतिवार के व्रत कथा का श्रवण करना, इस दिन उपवास रखना और रात्रि में पीला भोजना करना अच्छा माना गया है. इस दिन लक्ष्मी नारायण की पूजा भी करनी चाहिए.बृहस्पति को शुभ बनाने के लिए आप अपने माथे पर चंदन का लेप या तिलक लगा सकते हैं. आप पीले रंग के आभूषण जिसमें सोना सबसे शुभ माना जाता है, धारण कर सकते हैं. साथ ही इस दिन पीले परिधान भी धारण कर सकते हैं. गुरुवार को गुरु का दिन माना गया है, इस दिन गाय को चारा खिलाना चाहिए, उसकी सेवा करनी चाहिए, इससे कुंडली में गुरु ग्रह के शुभ प्रभावों में वृद्धि होती है. इससे नवग्रहों की शांति भी होती है. वाराणसी यानी भगवान शिव की नगरी, जिस काशी के नाम से जानते हैं. कहा जाता है कि यह भगवान शिव के त्रिशूल पर बसा हुआ है. यहां भगवान शिव के मंदिर के अलावा गुरु बृहस्पति का भी एक मंदिर है, जो प्राचीन और बेहद प्रसिद्ध है. ज्योतिष की मानें तो जब भोलेनाथ इस काशी नगर को बसा रहे थे, उस वक्त उन्होंने गुरु बृहस्पति को भी यहां रहने की जगह दी थी. दशाश्मेध घाट मार्ग और बाबा विश्वनाथ के निकट ही स्थित है यहां गुरु बृहस्पति मंदिर.इस मंदिर में तभी से सतत गुरु बृहस्पति देव की पूजा आराधना होती आई है. भगवान विष्णु के अंशावतार होने के बाद भी यहां देव बृहस्पति शिव रूप में पूजे जाते हैं और बाबा विश्वनाथ की ही तरह इनका भी जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक व बेल पत्रों से श्रृंगार होता है. इस मंदिर को लेकर हिंदू शास्त्र के मुताबिक यहां गुरु बृहस्पति साक्षात मौजूद हैं. संतान की प्राप्ति करने के लिए श्रद्धालु यहां दूर–दूर से आकर गुरु बृहस्पति की पूजा आराधना करते है.उत्तराखंड के नैनीताल जिले के ओखलकांडा क्षेत्र में देवगुरु बृहस्पति का मंदिर है. जो कि देवगुरु पर्वत की चोटी पर स्थित है . इस मंदिर को देवगुरु बृहस्पति की तपस्थली माना जाता है. कहा जाता है यहां बृहस्पति देव ने तपस्या की थी. इसलिए इस पर्वत को देवगुरु पर्वत कहा जाता है.राजस्थान की राजधानी जयपुर में भगवान बृहस्पति देव का एक मंदिर है. यह जयपुर के महारानी फार्म में स्थित है. इस मंदिर में शुद्ध सोने की बृहस्पति देव की प्रतिमा स्थापित है. दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य के तिरुवरूर जिले से 38 किमी दूर गांव है अलंगुड़ी. यहां श्री आपत्सहायेश्वर महादेव का मंदिर है. लोक मान्यता है कि ये वही स्थान है जहां भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकला हलाहल विष पीया था.इसी कारण यहां महादेव का नाम आपत्सहायेश्वर है. अर्थ है जो आपत्ति में सहायक हो. इसी मंदिर में भगवान बृहस्पति की प्रतिमा मौजूद है. इन्हें गुरु भगवान बृहस्पति दक्षिणमूर्ति कहा जाता है. आपत्सहायेश्वर महादेव में ही देवगुरु बृहस्पति का भवन भी मौजूद है. यहां लोग कुंडली के ग्रह दोषों की शांति के लिए मंदिर की 24 परिक्रमा करते है, 24 बत्तियों वाला दीपक भी लगाते हैं. इसको लेकर मान्यता है कि इससे कुंडली के गुरु जनित दोष दूर होते हैं, गुरु ग्रह का शुभ फल मिलने लगता है.

इतनी उमस में भी नहीं आता पसीना? ये बीमारी का संकेत तो नहींय डॉक्टर से जानें

गर्मी के मौसम में उमस बेहाल कर देती है. पसीने से तर–बतर होना सामान्य बात है. लेकिन क्या इस मौसम में भी आपको पसीना नहीं आता. ऐसे में ये हेल्थ प्रॉब्लम का संकेत हो सकता है. इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. आखिर ऐसा क्यों होता है? और ये स्थिति शरीर के लिए किस कदर खतरनाक हो सकती है? आइए इस बारे में जानते हैं...यह कंडीशन कितनी खत. रनाक?पसीना ह्यूमन बॉडी के लिए बेहद जरूरी होता है. पसीने के जरिए न सिर्फ शरीर की गंदगी बाहर निकलती है, बल्कि टेम्प्रेचर भी काफी हद तक कंट्रोल में रहता है. हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो पसीना न आने की स्थिति काफी खतरनाक हो सकती है. इस स्थिति को एनहाइड्रोसिस कहा जाता है. पसीना नहीं आने से शरीर का टेम्प्रेचर कंट्रोल नहीं हो पाता. इसके चलते शरीर के कई ऑर्गन को नुकसान पहुंच सकता है.एनहाइड्रोसिस के कारणनर्व से जुड़ी दिक्कतरू शरीर में पसीना लाने का काम ऑटोनोमिक नर्वस सिस्टम करता है. अगर इस नर्व सिस्टम में कोई गड़बड़ी होती है, तो पसीना आना रुक सकता है. यह नर्व सिस्टम से जुड़ी बीमारियों जैसे डायबिटिक न्यूरोपैथी, पार्किंसन डिजीज या मल्टीपल स्क्लेरोसिस के कारण हो सकता है.डिहाइड्रेशनरू जब शरीर में पानी की कमी बहुत ज्यादा होने लगती है, तो पसीना आना कम हो जाता है या बिल्कुल पसीना नहीं आता. पसीना आमतौर पर पानी और नमक से बनता है, इसलिए शरीर में पानी की मात्रा कम होने पर ग्रंथियां एक्टिव नहीं हो पातीं हैं.स्किन प्रॉ. ब्लमरू स्किन की बाहरी परत डैमेज हो जाती है या किसी इंफेक्शन के कारण बंद हो जाती है तो पसीने की ग्रंथियां ठीक तरह से काम नहीं कर पाती हैं. जैसे स्किन पर जलन, झुलसना, स्किन रैश या गंभीर स्किन से जुड़ी बीमारियां जैसे स्क्लेरोडर्मा या इच्थियोसिस पसीने को निकलने से रोक सकते हैं.दवा का असररू कुछ दवाइयां जैसे कि एंटीहिस्टामिन, डिप्रेशन, ब्लड प्रेशर की दवाइयां या मूड स्टे. बलाइजर का इस्तेमाल करने से शरीर के पसीना निकालने की क्षमता प्रभावित हो सकती है.जेनेटिकरू कुछ जेनेटिक स्थितियों जैसे हाइपोहाइड्रोटिक एक्टोडर्मल डिसप्लेसिया में पसीने की ग्रंथियां जन्म के समय से ही कम या न के बराबर होती है, जिससे गर्मी में भी पसीना न आने की समस्या होती है.एज फैक्टररू उम्र बढ़ने के साथ बुजुर्गों में पसीना कम आना या न आना एक सामान्य बात हो सकती है, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ स्किन की पसीने की ग्रंथियां इनएक्टिव हो जाती हैं.पसीना न आने से दिक्कतनर्वस सिस्टम प्रभावित हो सकता हैहीट स्ट्रोक का खतराहार्ट अटैक का रिस्कबेहोशी और चक्कर आने की प्रॉब्लमथकान महसूस होनाशरीर का गर्म होनासिरदर्द, मतली या उल्टी होना शरीर के कई ऑर्गन को नुकसान पहुंचने का रिस्क

सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीने के जबरदस्त फायदे, डिप्रेशन समेत इन समस्याओं से मिलेगी राहत

हर रात सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना शरीर के लिए बेहद लाभकारी है. यह आयुर्वेद का ऐसा तोहफा है जो आपके शरीर और मन दोनों को फायदा पहुंचाता है. इम्यून सिस्टम के लिए वरदान से कम नहीं है हल्दी वाला दूध! चरक संहिता में हल्दी अपने आप में बेहतरीन औषधि मानी गई है. इसे आयुर्वेद में श्हरिद्रश कहा गया है. हल्दी त्वचा रोग, सूजन और विषैले तत्वों को दूर करने के लिए जानी जाती है.इसमें करक्यूमिन नामक तत्व होता है जो शरीर में सूजन कम करता है, रोगों से लड़ने में मदद करता है और एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है. वहीं दूसरी तरफ, दूध को आयुर्वेद में शरीर की बुनियादी ताकत को बढ़ाने वाला माना गया है. जब ये दोनों मिलते हैं, तो ये त्रिदोष यानी वात, पित्त, कफ को संतुलन में लाते हैं.हल्दी वाला दूध आपके लिए हो सकता है रामबाणअगर आप नींद नहीं आने की शिकायत से परेशान रहते हैं, तो हल्दी वाला दूध आपके लिए रामबाण हो सकता है. इसमें मौजूद ट्रिप्टोफान नामक अमीनो एसिड मस्तिष्क को शांत करता है और गहरी नींद लाने में मदद करता है. यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है. यही नहीं, हल्दी वाला दूध सर्दी–जुकाम, खांसी, गले की खराश जैसी आम बीमारियों में राहत देता है.दूध से मिलने वाला कै. ल्शियम और हल्दी का सूजन कम करने वाला गुण मिलकर हड्डियों और जोड़ों को ताकत देते हैं, खासतौर पर गठिया या कमर दर्द में. इसके अलावा, स्किन की परेशानियों जैसे मुंहासे, खुजली या फोड़े–फुंसियों में भी यह काफी लाभकारी है क्योंकि हल्दी खून को शुद्ध करती है. सेहत के लिए लाभदायक है हल्दी दूधपाचन की बात करें तो हल्दी लिवर को साफ करती है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाती है, जिससे गैस, कब्ज या एसिडिटी से राहत मिलती है. मानसिक तनाव, चिंता या अवसाद से लड़ने में भी यह मददगार है क्योंकि यह सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे हार्मोन को संतुलित करती है.महिलाओं के लिए भी यह बेहद खास फायदेमंद है. पीरियड्स के दौरान होने वाली ऐंठन, मूड स्विंग और हार्मोनल असंतुलन को यह संतु. लित करता है. साथ ही, अगर आप वजन कम करने की सोच रहे हैं, तो हल्दी वाला दूध आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करता है और चर्बी घटाने में मदद करता है.अब सवाल आता है कि इसे कब पिएं?चरक संहिता में इसे पीने का सबसे सही वक्त रात को सोने से करीब 30 मिनट पहले का है. ध्यान रखें कि खाली पेट हल्दी वाला दूध न पिएं. भोजन कर लेने के बाद इसका सेवन करें. योग या प्राणायाम के बाद हल्दी वाला दूध पीना बेहद फायदेमंद होता है.

'मसालों की रानी' छोटी इलायची, स्वाद के साथ सेहत का खजाना

शरीर हो या मन हर समस्या का समाधान भारतीय रसोई में मौजूद है. कभी लौंग के रूप में तो कभी सौंफ या अन्य मसालों के रूप में. ऐसे में बात 'मसालों की रानी' की हो तो इसे कैसे इग्नोर किया जा सकता है. जी हां! बात हो रही है इलायची की, जो न केवल स्वाद और सुगंध को बढ़ाती है बल्कि सेहत के लिए भी वरदान है. इलायची में कई समस्याओं का समाधान छिपा है. साइंटिफिक और मेडिकल रिसर्च प्रकाशित करने वाली वेबसाइट श्साइंस डायरेक्टश के मुताबिक, प्राचीन भारतीय आयुर्वेद, यूनानी और रोमन चिकित्सा में चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से इसका उपयोग सांस की बीमारियों ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, कब्ज, सर्दी–खांसी, दांत–मसूड़ों के रोग, किडनी से संबंधित समस्याओं, फेफड़ों में जकड़न से संबंधित या टीबी, आंखों की जलन समेत अन्य समस्याओं के इलाज में होता रहा है.आयुर्वेद में इलायची को त्रिदोषनाशक माना जाता है, जो वात, पित्त और कफ को संतुलित करती है. यह पाचन शक्ति को मजबूत करने के साथ मन को शांत करती है और हृदय के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है. इसका वैज्ञानिक नाम एलेटेरिया कार्डमम है, जिसमें विटामिन सी, मैग्नीशियम, कैल्शियम, एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं. यह माउथ फ्रेशनर भी है. भोजन के बाद एक इलायची खाना फायदेमंदआयुर्वेदाचार्य बताते हैं कि भोजन के बाद एक इलायची चबाने या इसके पाउडर को सेंधा नमक, मिश्री के साथ लेने से वात, अपच और एसिडिटी में राहत मिलती है. रोज सुबह इलायची चबाने या इसके पानी से कुल्ला करने से मुंह की बदबू और संक्रमण कम होती है. यही नहीं, गर्म दूध में इलायची पाउडर मिलाकर पीने से मानसिक तनाव कम हो सकता है और नींद में भी सुधार होता है.प्रतिदिन सुबह खाली पेट एक इलायची पानी के साथ लेने से ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है. गुनगुने पानी में इलायची पाउडर मिलाकर पीने से ब्लड शुगर नियंत्रित होता है और मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है.सौंफ–गुड़ के साथ इलायची का सेवन पीरियड्स की तकलीफ में राहत दे सकता है. एक रिसर्च के मुताबिक, इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं. आयुर्वेदिक विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित रूप से इसका सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है.

हरियाली तीज पर क्यों पहना जाता है हरा रंग ?

सुहागिनों और कुंवारी लड़कियों के लिए सावन में हरियाली तीज का त्योहार सबसे अहम माना जाता है. इस दिन भगवान शिव और पार्वती पूजा करने और व्रत रखने से अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है. साथ ही अविवाहितों की सुयोग्य जीवनसाथी पाने की इच्छा पूरी होने की मान्यता है.हरियाली तीज 27 जुलाई 2025 को है. इस त्योहार के दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं, साथ ही हरे रंग का विशेष उपयोग करती है. फिर चाहे वो हरी साड़ी, चूड़ी पहनना हो या मेहंदी लगाना. आखिर हरियाली तीज में हरा रंग क्यों महत्वपूर्ण माना गया है जानें.हरियाली तीज पर हरे रंग का महत्वकुछ रंगों को हिंदू धर्म में बहुत ही शुभ माना जाता है और हरा रंग उनमें से एक है. सावन में हरे रंग को बहुत महत्व दिया जाता है क्योंकि इस पूरे माह बारिश से चारों ओर हरियाली छाई रहती है, प्रकृति का रंग हरा हो जाता है.ऐसी मान्यता है कि हरियाली तीन के दिन अगर महिलाएं हरे रंग की कांच की चूडियां पहनती हैं तो इससे उनके पतियों की उम्र लंबी होती है.धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव को हरियाली और प्रकृति बहुत प्रिय है. साथ ही ये सौभाग्य और नए जीवन की खुशियों का भी प्रतीक है. ऐसे में मान्यता है कि शिव को समर्पित हरियाली तीज के दिन जो स्त्रियां हरे रंग की चूड़ियां, साड़ी पहनती है, मेहंदी लगवाती हैं उन्हें अखंड सौभाग्य प्राप्त होता, वैवाहिक जीवन में प्रेम बढ़ता है, गौरी–शंकर की कृपा से उनके जीवन में खुशियों की बयार छा जाती है.ज्योतिष शास्त्र में हरा रंग बुध का माना जाता है. इस रंग के कपड़े पहनने से कुंडली में बुध को मजबूत बनाने में मदद मिलती है. सावन के महीने में हरा रंग पहनने से बुध ग्रह की सक. ारात्मक ऊर्जा मिलती है, जिससे हमारी बुद्धिमत्ता और मानसिक स्थिरता में वृद्धि होती है.एक कारण ये भी है कि हरियाली तीज के दिन स्त्रियां निर्जला व्रत करती है, ऐसे में जरुरी है कि व्रत के समय मन शांत हो और हरा रंग मन को शांति प्रदान करता है.